



Mr.Chetan



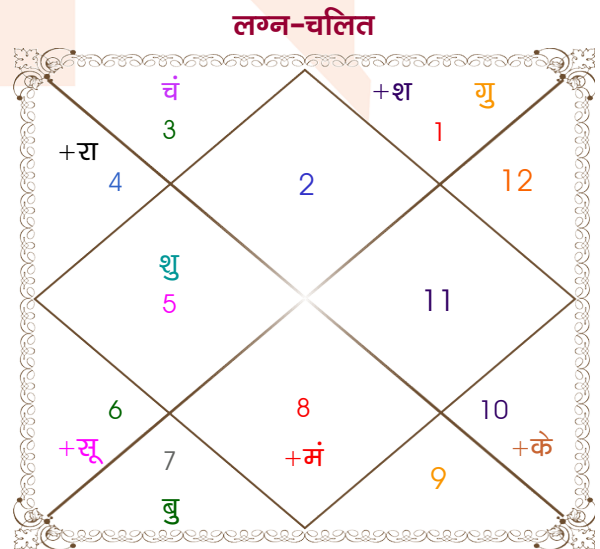
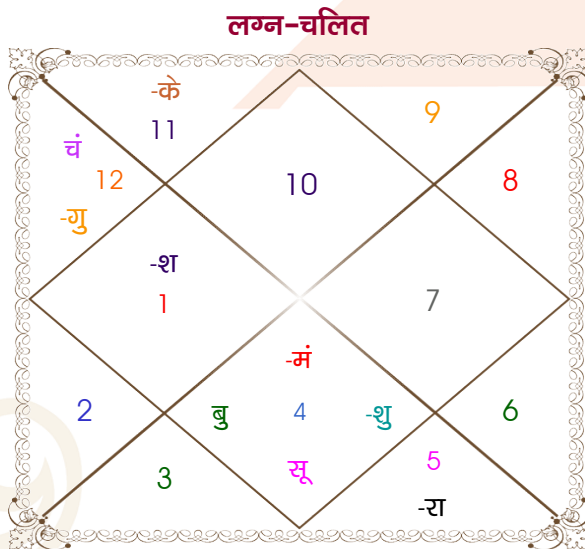
Ms. Jagruti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120000506

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 12/08/1998 : _____ जन्म तिथि _____ 01/10/1999
 बुधवार : _____ दिन _____ शुक्रवार
 घंटे 18:57:00 : _____ जन्म समय _____ 20:30:00 घंटे
 घटी 32:51:21 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 35:40:19 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Delhi : _____ स्थान _____ Delhi
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 28:39:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:48:27 : _____ सूर्योदय _____ 06:13:52
 19:03:25 : _____ सूर्यास्त _____ 18:07:42
 23:50:08 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:50:59

विंशोत्तरी बुध 5वर्ष 7मा 11दि शुक्र		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 17वर्ष 6मा 7दि गुरु	
24/03/2011		24:58:09	मक	लग्न	वृष	01:30:55	09/04/2017	
24/03/2031		25:48:10	कर्क	सूर्य	कन्या	14:08:14	09/04/2033	
शुक्र	24/07/2014	25:35:50	मीन	चंद्र	मिथु	07:01:16	गुरु	28/05/2019
सूर्य	24/07/2015	00:49:37	कर्क	मंगल	वृश्चि	25:13:03	शनि	09/12/2021
चन्द्र	24/03/2017	28:21:14	कर्क व	बुध	तुला	00:47:42	बुध	15/03/2024
मंगल	24/05/2018	03:10:51	मीन व	गुरु व	मेष	08:54:09	केतु	19/02/2025
राहु	24/05/2021	05:09:14	कर्क	शुक्र	सिंह	02:00:33	शुक्र	21/10/2027
गुरु	23/01/2024	09:47:01	मेष	शनि व	मेष	22:25:14	सूर्य	09/08/2028
शनि	24/03/2027	07:39:23	सिंह	राहु व	कर्क	17:26:50	चन्द्र	09/12/2029
बुध	22/01/2030	07:39:23	कुंभ	केतु व	मक	17:26:50	मंगल	14/11/2030
केतु	24/03/2031	16:33:48	मक व	हर्ष व	मक	19:12:18	राहु	09/04/2033
		06:24:53	मक व	नेप व	मक	07:46:51		
		11:27:52	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:24:14		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr.Chetan का वर्ग सिंह है तथा डेण श्रंहतनजप का वर्ग मार्जर है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Chetan और डेण श्रंहतनजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Chetan मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।

कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.Chetan कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Chetan कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता।

तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Mr.Chetan कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण श्रंहतनजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण श्रंहतनजप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण श्रंहतनजप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Chetan तथा डेण श्रंहतनजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

